भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-905
उत्तर दिनांक 04/02/2026 को दिया गया

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

905. श्री रामभुआल निषाद

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए पेयजल और सिंचाई हेतु स्थानीय जल आपूर्ति पर जल स्रोत और अनुप्रवाह संबंधी प्रभाव, संभावित प्रदूषण और स्थानीय आजीविका पर प्रभाव के बारे में कोई पर्यावरणीय-प्रभाव आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें विवाद के बिंदु क्या हैं तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या संयंत्र में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए कोई विशेष प्रावधान किए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रत्याशित रोजगार सृजन तथा अब तक सृजित कुल रोजगार संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हरियाणा के गोरखपुर में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों (गोरखपुर अणु विद्युत परियोजना-जीएचएवीपी) की स्थापना हेतु एमओईएफएंडसीसी से परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने के भाग के रूप में स्थानीय जल आपूर्ति पर प्रभाव सहित व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) किया गया।

(ख) ईआईए अध्ययन, इस उद्देश्य के लिए मान्यता प्राप्त एजेंसी मेसर्स मेकॉन (भारत सरकार का उद्यम) द्वारा एमओईएफएंडसीसी द्वारा अनुमोदित संदर्भ की शर्तों (टीओआर) के अनुरूप किया गया। परियोजना की स्थापना से जल व्यवस्था पर किसी प्रतिकूल प्रभाव की परिकल्पना नहीं की गई है। ईआईए रिपोर्ट पर एक सार्वजनिक सुनवाई दिनांक 17 जुलाई, 2012 को भी आयोजित की गई। ईआईए रिपोर्ट के आधार पर**,** एमओईएफएंडसीसी ने दिनांक 26 दिसंबर, 2013 को जीएचएवीपी-1 से 4 के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान कर दी।

(ग) परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) के लिए नियुक्ति प्रावधानों में आयु और अंकों में छूट के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा**,** उपयुक्त स्थानीय युवाओं को वरीयता देना विभिन्न अनुबंधों

के नियुक्ति प्रावधानों का एक हिस्सा है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के भाग के रूप में स्थानीय प्रतिभाशाली छात्रों को कौशल विकास कार्यक्रम, उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति और स्पॉन्सरशिप भी प्रदान की जाती हैं। आज तक, एनपीसीआईएल जीएचएवीपी के निकट सीएसआर गतिविधियों पर लगभग 75 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है।

(घ) गोरखपुर नाभिकीय विद्युत परियोजना में प्रत्येक 700 मेगावाट की दो द्वि- यूनिटें - जीएचएवीपी-1 व 2 (2X700 मेगावाट) और जीएचएवीपी-3 व 4 (2X700 मेगावाट) शामिल हैं। जब निर्माण कार्य अपनी चरम सीमा पर होगा उस समय, जीएचएवीपी में लगभग 8000 व्यक्तियों को रोजगार मिलने का अनुमान है। यह घंटे के आकार की तरह रहेगा। यूनिट के प्रचालनरत होने पर, दोनों द्वि-यूनिटों में अलग-अलग लगभग 2000 व्यक्तियों को रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) मिलने का अनुमान है। इसके अलावा, ठेकेदारों/विक्रेताओं और स्थल विशेष पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप उत्पन्न व्यावसायिक अवसरों से रोजगार की काफी संभावना है। वर्तमान में जीएचएवीपी में कुल 3177 व्यक्ति कार्यरत हैं, जिनमें से 1624 हरियाणा राज्य से संबंधित हैं।

*****